RNI No.-MPHIN/2001/14172

जाग उठा हमारा आजाद हिन्दुस्तान

AZAD हिन्दुस्तान LIVE

मामाजी पट्टा कब दिलाओगें

वर्ष-23 अंक- 06 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 07 फरवरी से 13 फरवरी 2023 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

आजाद हिन्दुस्तान के आनलाईन सर्वे के परिणाम घोषित

कांग्रेस में श्री नीलेश रोकड़िया एवं भाजपा में लाला बना सबसे पंसदीदा उम्मीदवार

कांग्रेस में अशोक जैन दूसरी पंसद एवं नरेन्द्र पटेल तीसरे पंसदीदा उम्मीदवार

भाजपा में सचिन बिरला दूसरी पसंद तो श्री हितेन्द्र सोलंकी तीसरे पंसदीदा उम्मीदवार

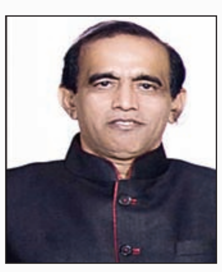

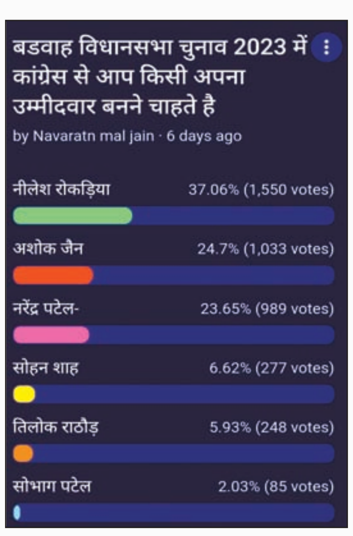

कांग्रेस के टिकिट की दोड़ मे है लम्बी लाईन.....

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेंस की बात की जाये तो पार्टी में दावेदारों की एक लम्बी लाईन नजर आती है । काफी वर्षो से पार्टी में काम करते हुये श्री नरेन्द्र पटेल इस बार के चुनाव में सबसे मजबूत दावेदार माने जारहे है । उसके पीछे जहां पूर्व सासंद श्री ताराचंद जी पटेल का वरदहस्त है वहीं यादव परिवार का समर्थन तथा जातीय गणित उनकी दावेदारी को मजबूत बना रहे है । लेकिन इसके साथ ही बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में सचिन बिरला के चुनाव में प्रमुख रणनीतिकार एवं जीत के प्रमुख सूत्रधार रहे समाज सेवी नीलेश रोकडिया को बहुत से लोग भावी विधायक के रूप में चाहने लगे है । इसके साथ ही श्री अरूण यादव के प्रदेश अध्यक्षीय कार्य काल में प्रदेश सचिव के रूप में काम करने वाले समाज सेवी श्री अशोक जैन भी काफी वर्षो से अपनी मजबूत दावेदारी रखते आये है । गुर्जर समाज में श्री नरेन्द पटेल के विकल्प के रूप में श्री सोहनशाह एवं शोभाग पटेल भी अपनी दावेदारी प्रमुखता से रखते आये है । लेकिन पिछले कुछ महिनों से अपनी दरिया दिली एवं गांव गांव जाकर कांग्रेसनेता के रूप में अपनी मजबूत पकड बनाने के यि प्रयासरत अस्तरिया निवासी श्री तिलाक राठोड की सक्रीयता ने सभी को हैरान किया हुआ है । इस तरह देखा जाये तो कांग्रेस के टिकिट की दोड़ में भाजपा से अधिक लम्बी लाईन नजर आरही है ।

कांग्रेस में अन्तिम दिन तक चली जबरजस्त प्रतिष्पर्धा ....

आजाद हिन्दुस्तान द्वारा किये गये आनलाईन सर्वे में इन्ही 6 संभावित दावेदारों के नाम सम्मिलत किये गये । जब सर्वे प्रारंभ हुआ तो आश्चर्यजनक रूप से तिलोक राठोड सबसे आगे नजर आरहे थे । लेकिन ज्यो ज्यो सर्वे की लिंक प्रसारित होती गईं सभी दावेदार सक्रीय बनते गये । देखते ही देखते श्री नरेन्द्रपटेल, श्री नीलेश रोकडिया एवं अशोक जैन के पक्ष में तेजी से वोटिंग होती नजर आने लगी । कभी श्री अशोक जैन आगे हुये तो कभी नीलेश रोकडिया ने सबको पीछे छोडा और एक दौर ऐसा आया जब लगातार नरेन्द्र पटेल सबसे आगे नजर आये । लेकिन ज्यो ज्यो सर्वे आगे बढा तो मुख प्रतिष्पर्धा श्री नीलेश रोकडिया एवं नरेन्द्र पटेल में होने लगी । आखिर नीलेश रोकडिया प्रथम पायदान पर लगातार आगे बढते गये वही उनके पीदे श्री नरेन्द्र पटेल के पक्ष में भी वोटिंग होती रही । श्री अशोक जैन तीसरे नम्बर पर थे अन्य दावेदार श्री सोहन यााह के समर्थक ज्यादासक्रीय नजर आने से वे वोटिंग में पीछे होगये । लेकिन तिलोक राठोड की कुछ माह की सक्रीयता काफी तारीफे काबिल रही । वे श्री सोहन शाह के लगभग करीबी बने हुये रहे । अन्तिम दो दिनों में कांग्रेस के आनलाईन पोल में और तेजी आई । श्री नीलेश रोकडिया जहां लगातार अपने बढते वोटों कीवजह से प्रथम पायदान पर बने रहे वहीं श्री अशोक जैन के समर्थकों ने भी जमकर वोटिंग करना प्रारंभ कर दिया । वहीं श्री नरेन्द पटेल के समर्थकों में जारी सक्रीयता थोडा ठंडी नजर आने लगी । उसका फायदा मिला श्री अशोक जैन को और वे लगातार आगे बढते रहे । परिणाम यह हुआ कि आनलाईन वोटिंग बंद होते होते श्री अशोक जैन के वोट श्री नरेन्द्र पटेल के आंकडों को पार कर गये । और वे दूसरी पायदान पर पहूच गये ।

अन्तिम परिणाम -

श्री नीलेश रोकडिया प्रथम, श्री अशोक जैन द्रितीय एवं श्री नरेन्द्र पटेल तीसरे पंसदीदा उम्मीदवार

कांग्रेस के पक्ष में कुल वोटिंग 4187

प्रथम स्थान-	श्री नीलेश रोकडिया-	1551 वोट	37.04 प्रतिशत
दूसरा स्थान	श्री अशोक जैन	1037 वोट	24.77 प्रतिशत
तीसरा स्थान	श्री नरेन्द पटेल	989 वोट	23.62 प्रतिशत

इसके बाद श्री सोहनशाह , तिलोक राठोड एवं सोभाग पटेल आदि उम्मीदवारों के पक्ष में वोट पडे । कुल मिलाकर आम जनता के बीच करवाये गये इस सबसे प्राथमिक सर्वे में यह बात सामने उभर कर आई कि इस बार लोग सामान्य सीट पर सामान्य वर्ग का प्रत्याशी को चाहते है तथा ज्यादातर लोगों की भाना है कि इस बार कांग्रेस का प्रत्याशी बड़वाह के इस पार से होना चाहिये जिससे इस क्षेत्र के लोगों को भी प्रतिनिधित्व को अवसर मिल सके । हालाकि अभी चुनाव में 9 माह का समय है और आजाद हिन्दुस्तान द्वारा प्रत्येक दो माह में नया सर्वे करवायेगा । उसमें ये परिणाम बदल भी सकते है

सोहनशाह एवं तिलोक राठोड़ भी मेहनत कर बदल सकते है वर्तमान समीकरण

श्री तिलोक राठोड़ की लगातार क्षेत्र में बढती सक्रीयता यदि उनके मजबूत समर्थको में बदल गई तो आने वाले समय में वे वर्तमान मजबूत दावेदारों के समीकरण बदलने में सफल भी हो सकते है । हालाकि उन्हे क्षेत्र में आये अभी केवल 3 माह हुये है और उनका नाम घर-घर पहूचजाना यह बहुत बडी उपलब्धि है । वही श्री सोहन शाह एवं सोभाग पटेल को जातिय समीकरणों के साथ साथ ही आम लोगो के बीच भी अपनी स्वीकार्यता बढानी होगी ।

कैसे हुआ सर्वे

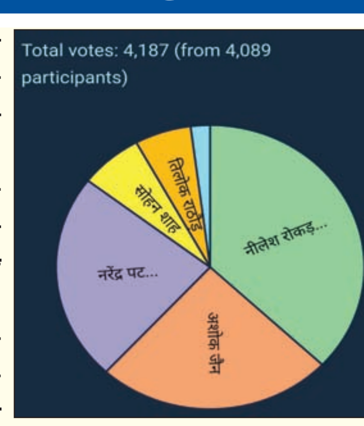

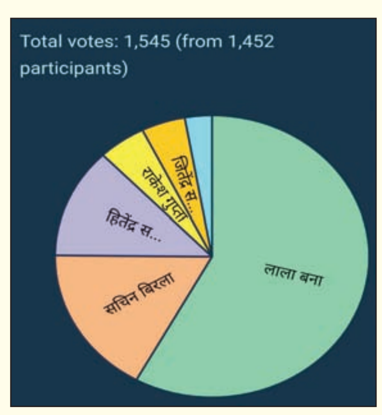

म.प्र. विधानसभा चुनावों में हालाकि अभी लगभग 9 माह का समय बाकी है । भाजपा एवं कांग्रेस दोनों ने अपनी चुनावी तैयारियां प्रारंभ भी करदी है । भाजपा जहां विकास यात्राये निकाल कर गांव गांव में मतदाताओं के बीच सरकार की उपलब्धियां गिना रही है वहीं कांग्रेस ने भारत जोडों यात्रा के प्रदेश में हाथ से हाथ जोडों अभियान प्रारंभ कर कांग्रेस के साथ आम मतदाताओं को जोडने का प्रयास प्रारंभ कर दिया है ।

लेकिन इसी बीच बडवाह विधानसभा क्षेत्र में आम जनता की उत्सुकता इस बात को लेकर है कि दोनों दल इस बार किस उम्मीदवार को जनता की अदालत में उतारेगें । क्यों कि चुनाव जीतने के लिये राजनैतिक दलों के समर्थन के साथ साथ ही जनता के बीच उम्मीदवार की छवि एवं सक्रीयता का बहुत बडा योगदान होता है । आम मतदाता यही चाहता है कि उसका विधायक उसकी समस्याओं को लेकर जागरूक रहे और क्षेत्र के विकास में हमेशा तत्पर रहे ।

आजाद हिन्दुस्तान ने किया आनलाईन सर्वे -

आम मतदाताओं की इसी उत्सुकता को लेकर आजाद हिन्दुस्तान द्वारा एक आनलाईन सर्वे करवाया गया । जिसमें मतदाताओं को अपने मोबाईल से कांग्रेस एवं भाजपा के संभावित दावेदारों में से अपनी पंसदीदा उम्मीदवार को चयन करने का विकल्प दिया गया था । हमने प्रयास किया कि जां नाम इस बार भाजपा एवं कांग्रेस में उम्मीदवारी को लेकर जनता की जुबान एवं जमीनी सक्रीयता पर नजर आरहे है उनको जनता के सामने विकल्प रूप में प्रस्तुत किया ।

कैसे किया गया सर्वे -

इस सर्वे में कांग्रेस एवं भाजपा का अलग अलग सर्वे मोबाईल एप द्वारा किया गया जिसमें यह प्रतिबंध था कि एक मोबाईल से केवल एक ही व्यकित अपना वोट डाल सकता था । यह सर्वे दिनांक 31जनवरी से 5 मार्च शाम को 6 बजे तक कुल 6 दिन तक चला । जिसमें कुल 5732 लोगों ने आनलाईन मतदान कर अपने पंसदीदा उम्मीदवार को अपना वोट दिया । जो कि बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के कुल मतदाताओ का 3 प्रतिशत होता है । हालाकि यह कहा जा सकता है कि इतने कम वोटिंग से वास्तविक आकलन नही हो पाता । आजाद हिन्दुस्तान भी यह दावा नही करता कि यह आंकलन ही अन्तिम परिणाम है और इस परिणाम से किसी की उम्मीदवारी का महत्व कम या ज्यादा होगा लेकिन यह जरूर है कि इस सर्वे के माध्यम से हम वर्तमान स्थिति में संभावित दावेदारों की पंसदगी के कुछ प्रारंभिक संकेत जरूर प्राप्त कर सकते है । क्यो कि 3 प्रतिशत मतदाता किसी भी वोटिग में पूरा चुनाव परिणाम प्रभावित करने की क्षमता रखते है ।

यह भी हो सकता है कि इस सर्वे को संभावित उम्मीदवारो के कुछ समर्थकों ने गंभीरता से नही लिया हो जिससे उनके पक्ष में जितना मतदान होना चाहिये था वो नही हुआ हो । लेकिन इससे भी यह पता चलेगा कि किस उम्मीदवार के समर्थक मतदाता अपने पंसदीदा उम्मीदवार के लिये वर्तमान में कितना सक्रीय है ।क्यो कि भले ही हमारे साथ हजारों की भीड चले लेकिन हमारे कार्यकर्ता यदि गंभीर नही है तो वो सकारात्मक परिणाम के लिये नुकसान दायक साबित हो सकते है ।

किस दल के सर्वे में कितने लोगों ने किया मतदान -

इस आनलाईन सर्वे में कांग्रेस के समर्थक मतदाताओं ने ज्यादा बढ चडकर हिस्सा लिया और यही कारण है कि इस दल के उम्मीदवारों के बीच पूरे 6 दिनों तक चुनाव परिणामों में जबरजस्त उतार चढाव रहा । मतदान में भागीदारी करने वाले कुल 5732 में से 4187 मतदाताओं ने कांग्रेस के सर्वे में अपनी रूची दिखाकर वोट किया । वही भाजपा के सर्वे में कुल 1545 मतदाताओं ने भाग लिया । इससे यह यह निष्कर्ष भी निकला कि कांग्रेस समर्थक अपने समर्थक उम्मीदवारों को लेकर ज्यादा सक्रीय है वही भाजपा के सर्वे में रूची कम नजर आने का कारण यह भी हो सकता है कि वहां संभवत विधायक श्री सचिन बिरला का टिकिट लगभग तय मानकर भाजपा समर्थकों या दावेदारों ने सर्वे में बहुत कम रूची ली हो ।

यही कारण रहा है कि कांग्रेस के सर्वे में दावेदारों को मिली वोटिंग में जबरजसत प्रतिष्पर्धा देखने को मिली वहीं भाजपा के सर्वे में केवल एक ही दावेदार के समर्थक मतदाताओं की सक्रीयता नजर आई और परिणाम उनके पक्ष में एक तरफा सामन आया । इससे यह साबित जरूर हुआ कि भाजपा में इस युवा उम्मीदवार को लोग काफी संख्या मे पंसद करते है और उनकी दावेदारी को कम नही आंका जा सकता ।

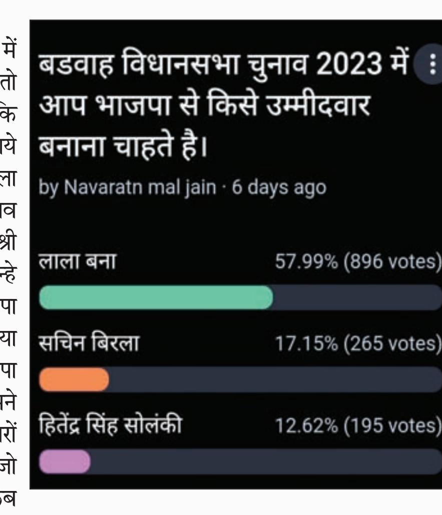

बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में जहां तक भाजपा की बात करे तो यह लगभग तय माना जारहा है कि 2023 में कांग्रेस से भाजपा में आये वर्तमान विधायक श्री सचिन बिरला ही भाजपा के टिकिट पर चुनाव लडेगें क्यो कि स्वयं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद उन्हे भाजपा में शामिल करते वक्त भाजपा का आगामी चेहरा घोषित कर दिया था । लेकिन दूसरी ओर भाजपा संगठन के लोग एवं उनके सामने टिकिट की आकांशा कर रहे दावेदारों का कहना है कि यह भाजपा है जो काडरबेस संगठन है । यहां पर कब किसका टिकिट कट जाये और कब किसे मिल जाये नही कहा जा सकता । ये लोग सांसद श्री ज्ञानेश्वर जी पाटिल का उदाहरण देते है कि किसी ने सोचा तक नही था कि उन्हे सासंद का टिकिट मिल जायेगा । इसी तरह भाजपा में उसे ही टिकिट मिलेगा जो भाजपा के सर्वे एवं रणनीति पर खरा उतरेगा । महिला नेत्री के रूप में विधायक की दावेदारी हेतु अब श्रीमति रजनी दिलीप भंडारी का नाम तेजी से सामने आया है । यदि आगे महिला दावेदारी को भाजपा सामने रखती है तो वे विकल्प रूप में मजबूती से है

श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी एवं लाला बना भी उम्मीदवारी की दोड़ में

सचिन बिरला के सामने दोड में उनके पूर्व चिरपरिचित प्रतिद्वंदी रहे श्री हितेन्द्रसिंह सोलंकी का नाम प्रमुखता से लिया जारहा है । 15 साल तक लगातार विधायक रहे श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी की आज भी क्षेत्र में मजबूत पकड़ है । उनकी व्यवहार कुशलता आज भी लोग याद करते नजर आते है । वे भी अपने स्तर पर टिकिट की तैयारियों में लगे हुये है तो दूसरी ओर भाजपा मंडल अध्यक्ष लाला बना का नाम तेजी से दावेदारी के पटल पर मजबूती से उभरता प्रतीत होरहा है । भाजपा मंडल अध्यक्ष तथा करणी सेना के मजबूत बेस पर लोकप्रियता के शिखर लगातार आगे बढने वाले लाला बना युवा वर्ग में खासे लोकप्रिय है । इसके अतिरिक्त भाजपा में राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले श्री जितेन्द्र सुराणा, नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता भी विधायक का चुनाव लडने की दावेदारी मे मजबूत नाम है लेकिन अभी तक इस चुनाव में उन्होने इस दोड़ से अपने को दूर बनाये रखा है

आजाद हिन्दुस्तान द्वारा अभी हाल ही में 31 जनवरी से 5 फरवरी तक एक आनलाईन सर्वे करवाया गया । भाजपा के सर्वे में कुल 1545 लोगों ने आनलाईन वोटिंग किया जबकि कांग्रेस के सर्वे में वाट करने वालों की संख्या 4187 रही । इसका प्रमुख कारण भाजपा में टिकिट लगभग तय मानकर चलने वालों की संख्या अधिक होने से लोगों ने भाजपा के सर्वे में रूची कम दिखाई । भाजपा की ओर से सर्वे में प्रमुख तीन दावेदार थे उनमें वर्तमान विधायक सचिन बिरला, पूर्व विधयक श्री हितेन्दसिंह सोलंकी तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री लाला बना का नाम था । नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता , भाजपा नेता जितन्द्र सुराणा एवं भाजपा जिला महामंत्री श्री महिम ठाकुर के मना होने के बावजूद लोगों के सामने विकल्प रूप में उनका नाम सामान्य रूप से शामिल किया गया ।

लाला बना बने सर्वाधिक स्वीकार्य उम्मीदवार , श्री सचिन बिरला दूसरे एवं श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी तीसरे पसंदीदा उम्मीदवार

31जनवरी को प्रारंभ किये गये इस आनलाईन सर्वे में शुरूआती दौर में बहुत तेजी से वोटिंग हुई । प्रारंभिक दौर में श्री सचिन बिरला एवं श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी के बीच अच्छी खासी टक्कर चल रही थी । हालाकि श्री सचिन बिरला लगातार आगे चल रहे है । वही लाला बना के पक्ष में भी लोग खुलकर वोटिंग करने लगे थे । लेकिन दूसरे दिन से वोटिंग के रूझान में तेजी से परिवर्तन आया और भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री लाला बना के पक्ष में तेजी से वोटिंग बढने लगा । देखते ही देखते तीसरे -चौथे दिन तक लाला बना के पक्ष जम कर वोटिंग हुई वही श्री सचिन बिरला एवं श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी के पक्ष में मतदान करने वालों की गति कम होगई । अब तक लाला बना का वोट एवं प्रतिशत काफी आगे निकल गया था । इस आनलाईन सर्वे में श्री सचिन बिरला के समर्थकों ने संभवत इस सर्वे को इसीलिये गंभीरता से नही लिया क्यो कि वे अपने नेता का टिकिट पहले से ही तय मानकर चल रहे है लेकिन इसमें कोई दोराय नही कि लाला बना एवं उनके समर्थक सक्रीयता में सबसे आगे है जिन्होने लगातार वोटिंग कर श्री लाला बना को भाजपा में सबसे पसदीदा उम्मीदवार बना दिया ।

अन्तिम परिणाम -

श्री लाला बना प्रथम, श्री सचिन बिरला एवं श्री हितेन्द्र सिंह सोलंकी तीसरे पंसदीदा उम्मीदवार

कांग्रेस के पक्ष में कुल वोटिंग 1545

प्रथम स्थान-	श्री लाला बना-	896 वोट	57.99 प्रतिशत
दूसरा स्थान	श्री सचिन बिरला	265 वोट	17.15 प्रतिशत
तीसरा स्थान	श्री हितेन्द्रसिंह सोलंकी	195 वोट	12.62 प्रतिशत